बी. ए. आनर्स (संस्कृत)

त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम

(10+2 उत्तीर्ण छात्रों के लिए)

सामान्य निर्देश

1. बी. ए. आनर्स (संस्कृत) के त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में कुल 12 प्रश्नपत्र होंगे - 4 प्रश्नपत्र प्रथम वर्ष में, 4 प्रश्नपत्र द्वितीय वर्ष में तथा 4 प्रश्न पत्र तृतीय वर्ष (अन्तिम वर्ष) में।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों तथा तीन घंटों का होगा।
3. प्रश्नपत्रों में प्रश्न संस्कृत अथवा हिन्दी में दिए जाएँगे, परन्तु परीक्षार्थियों को अपने उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में देने की छूट होगी। यदि परीक्षक द्वारा कोई अन्यथा निर्देश न दिया गया हो।
4. परीक्षार्थी को श्रेणी तृतीयवर्ष के अन्त में समस्त परीक्षाओं के उपार्जित सम्मिलित अंकों के आधार पर प्रदान की जाएगी। प्रथम वर्ष अथवा द्वितीय वर्ष की परीक्षा में श्रेणी नहीं दी जाएगी।
5. परीक्षार्थी को कुल मिलाकर न्यूनतम 48 प्रतिशत अंक प्राप्त करने आवश्यक है। यदि वह अपेक्षित न्यूनतम प्रतिशत में अंकों को प्राप्त करने में विफल रहता है तो उसे सामान्य रूप में परीक्षोत्तीर्ण की उपाधि ही प्रदान की जा सकेगी, (बी.ए. ऑनर्स की उपाधि नहीं दी जा सकेगी।)
6. परीक्षार्थी को संस्कृत मुख्य-विषय के अतिरिक्त एक सहायक ऐच्छिक विषय भी लेना होगा। इसके परीक्षा में प्राप्त अंकों को श्रेणी के निर्धारण में जोड़ा जाएगा।
7. बी. ए. ऑनर्स प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में निर्धारित सामान्य हिन्दी अथवा सामान्य अंग्रेजी के प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

*****

बी. ए. ऑनर्स (संस्कृत) पार्ट-1 परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 1651

प्रथम प्रश्न पत्र - संस्कृत काव्य

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. बुद्धचरितम् (प्रथम सर्ग) - अश्वघोष
2. कुमारसंभव (पंचम सर्ग) - कालिदास
3. नीतिशतकम् - भर्तृहरि
4. प्रायोगिक व्याकरण

यह पाठ्यक्रम तीनखण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभक्त है। विस्तृत विवरण निम्नलिखित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई	-	नीतिशतकम् 1-50 श्लोक।
द्वितीय इकाई	-	नीतिशतकम् 51 से अन्त तक के श्लोक।
तृतीय इकाई	-	कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)।
चतुर्थ इकाई	-	बुद्धचरितम् (प्रथम सर्ग)।
पंचम इकाई	-	प्रायोगिक व्याकरण ।

प्रश्न-पत्र का विस्तृत अंक विभाजन

प्रथम खण्ड

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जिनके उत्तर अति-संक्षेप में अपेक्षित हैं। सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 20 अंक

ये प्रश्न समग्र पाठ्यक्रम से पूछे जाएँगे।

द्वितीय खण्ड 50 अंक

इस खंड में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। इनका शतप्रतिशत विकल्प उपलब्ध रहेगा। इनका विस्तृत विवरण निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) नीतिशतकम् के 1-50 श्लोकों में से एक श्लोक की विकल्प सहित सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(ख) नीतिशतकम् के 51 से अन्त तक के श्लोकों में से एक श्लोक की विकल्पसहित सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) कुमारसंभव के पंचम सर्ग से एक श्लोक की विकल्पसहित सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) बुद्धचरित (प्रथम सर्ग) से एक श्लोक की विकल्प सहित सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(ङ.) इसके अन्तर्गत पाठ्यपुस्तकों में से कुल दस पद दिए जाएँगे, जिनका विवरण निम्नलिखित प्रकार से है - 10 अंक

1. कोई छः संधि-युक्त पद देकर उनमें से किन्हीं तीन का सन्धि-विच्देद पूछा जाएगा।
2. कोई छः समस्त-पद देकर उनमें से किन्हीं तीन का विग्रह पूछा जाएगा तथा समास का नाम पूछा जाएगा।
3. कोई आठ पद देकर उनमें से किन्हीं चार का प्रकृति-प्रत्यय विवेक पूछा जाएगा।

10 अंक

तृतीय खंड 30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 300 शब्दों में देना अपेक्षित है।

इनमें से विकल्प सहित प्रथम प्रश्न निम्नलिखित विषयों पर आधारित होगा। नीतिशतक की विषयवस्तु, भर्तृहरि की काव्यकला, काव्य-सौष्ठव एवं महत्त्व, भर्तृहरि का संस्कृत साहित्य को योगदान, भर्तृहरि की भाषा शैली आदि। 15 अंक

द्वितीय प्रश्न

उक्त खंड के विकल्पयुक्त द्वितीय प्रश्न का आधार निम्नलिखित बिन्दु होंगे -

कुमारसंभव के पंचम सर्ग की कथावस्तु, कुमारसंभव में कालिदास की काव्यकला, पार्वती की तपश्चर्या, कालिदास का संस्कृत साहित्य को योगदान, पार्वती का चरित्र-चित्रण, कालिदास की भाषा-शैली, बुद्धचरित की कथावस्तु की समालोचना, अश्वघोष का कवित्व, अश्वघोष का संस्कृत साहित्य को योगदान आदि। 15 अंक

*****